भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

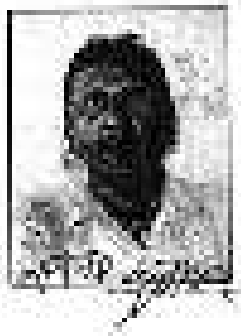

विक्रय–पत्र

लेख पत्र का संक्षिप्त विवरण

1.	भूमि का प्रकार	: कृषि
2.	परगना	: बिजनौर
3.	ग्राम	: करीना
4.	सम्पत्ति का विवरण (सम्पत्ति नं0)	: भूमि खसरा संख्या –664

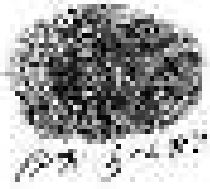

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

5.	मापन की इकाई	:	हेक्टेअर
6.	विक्रीत सम्पत्ति का क्षेत्रफल	:	0.6235 हेक्टेअर
7.	सड़क की स्थिति	:	सुल्तानपुर रोड व अमर शहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक
8.	सम्पत्ति का प्रकार	:	कृषि
9.	पेड़ों का मूल्यांकन	:	कुछ नहीं
10.	बोरिंग/कुआं/अन्य	:	कुछ भी नहीं
11.	प्रतिफल की धनराशि	:	रु0 12,32,036/-
12.	मालियत	:	रु0 11,22,300/-
13.	स्टाम्प	:	रु0 86,400/-

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

P/ 723520

चौहद्दी

<u>खसरा नं० 554</u>

पूरब : खसरा संख्या–560, 561, 562

पश्चिम : खसरा संख्या–551, 555, 556, 558

उत्तर : खसरा संख्या–559

दक्षिण : खसरा संख्या–552, 597

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

प्रथम पक्ष की संख्या–01 द्वितीय पक्ष की संख्या–01

विक्रेता का विवरण	क्रेता का विवरण
दिलीप कुमार नाबालिग आयु लगभग 15 वर्ष पुत्र शिवमरन द्वारा संरक्षिका श्रीमती सुन्दारा (मॉ) निवासिनी ग्राम– चौधरीखेड़ा मजरा–बरौना, परगना– बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ। व्यवसाय – कृषि	सन्तोष कुमार पुत्र श्री देवता दीन निवासी–ग्राम व पोस्ट–अटौरा बुजुर्ग, जिला–रायबरेली, उ0प्र0। व्यवसाय–कृषि

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

विक्रय विलेख

यह विक्रय विलेख दिलीप कुमार नाबालिग आयु लगभग 15 वर्ष पुत्र शिवबरन द्वारा संरक्षिका श्रीमती सुनहरा (दादी) निवासिनी ग्राम- चौधरीखेड़ा मजरा-बरौना, परगना- बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ जिन्हें आगे विक्रेता कहा गया है.

एवम

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

सन्तोष कुमार पुत्र श्री देवता दीन निवासी–ग्राम व पोस्ट–अटौरा बुजुर्ग, जिला–रायबरेली, उ0प्र0 जिन्हें आगे क्रेता कहा गया है, के मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रेता कृषि भूमि खसरा संख्या–564 रकबा 1.2470 हेक्टेअर, का 1/2 भाग यानि अपना हिस्सा यानि रकबा 0.6235 हेक्टेअर, स्थित ग्राम–बठौना, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ का मालिक, काबिल व काबिज है जो विक्रेता को वरासतन प्राप्त हुई है तथा उपरोक्त सत्यापित पचवर्षीय खतौनी

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

फसली वर्ष 1413 से 1418 के खाता खतौनी क्रम संख्या–00382 के अनुसार विक्रेता के नाम अमल दरामद हो चुका है। उक्त आराजी अब विक्रेता के कब्जे व दखल मालिकाना में मौजूद है और जो सभी विक्रय, हिबा, ऋणभार, कुर्की, व जमानत आदि से बाधित नहीं है, उक्त आराजी मे किसी अन्य व्यक्ति का कोई स्वामित्व एवं अधिकार नहीं है और न ही कोई व्यक्ति साझीदार है, अब मजकूर खुद विक्रेता के उसी आराजी व्यथा उपरोक्त को पूर्ण स्वामित्व एवं अधिकारों सहित बिना छोड़े किसी चीज व हक के

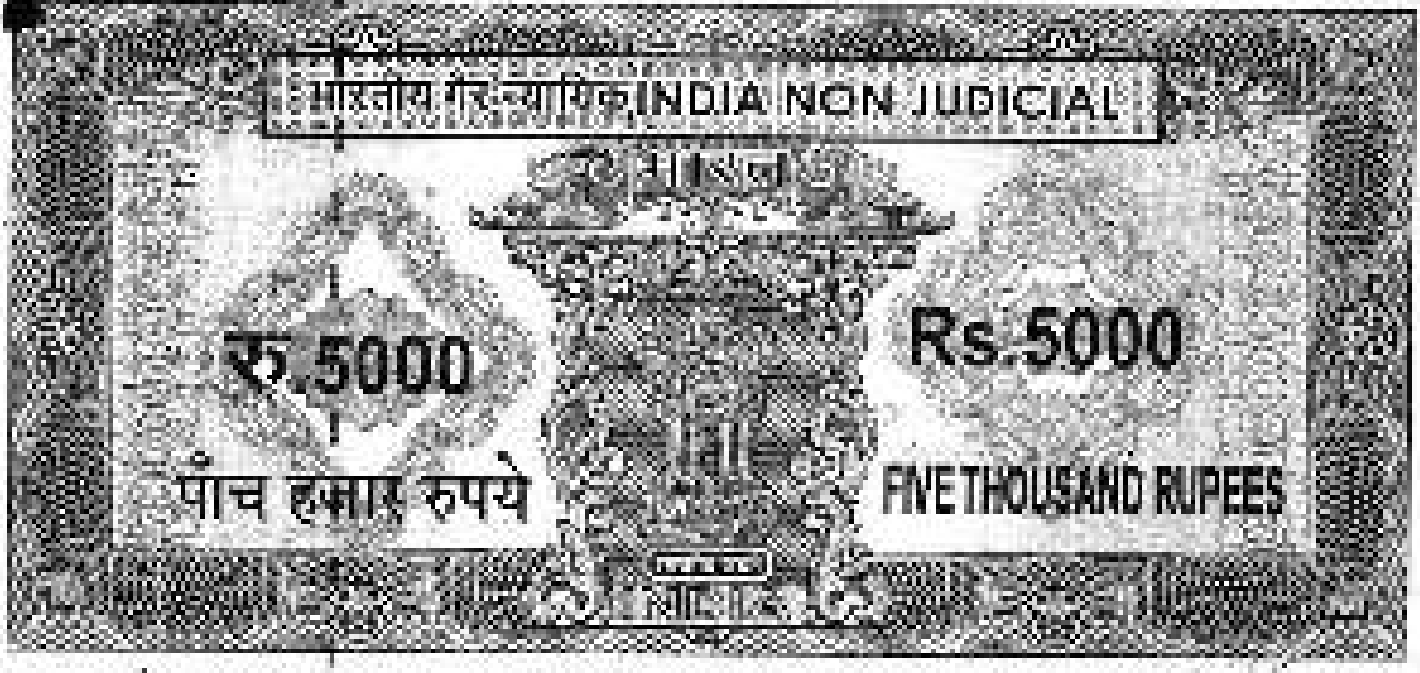

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

खूब सोच व समझकर बिना किसी दबाव के, बएवज मुबलिग रू0 12,32,036/- (रुपये बारह लाख बत्तीस हजार छत्तीस मात्र) में क्रेता उपरोक्त को बय कतई किया और कुल विक्रय धनराशि बजरिये तहरीर दस्तावेज द्वारा क्रेता उपरोक्त से नीचे दिये गये विवरण के अनुसार प्राप्त करके कब्जा व दखल मालिकाना आराजी मजकूरा पर आज से बखूबी करा दिया। अब विक्रेता व वारिसान विक्रेता को कोई हक व दावा निस्बत आराजी मजकूरा व विक्रय धनराशि के क्रेता से बाकी नहीं रहा, अगर कोई शख्स

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

दावा करे तो वह बिल्कुल नाजायज होवे, और अगर आराजी बयशुदा पूर्ण अथवा उसका कोई अंश क्रेता के स्वामित्व एवं अधिकारों से निकल जावे या कब्जा न मिले या कोई विक्रय, हिबा, ऋणभार, कुर्की व जमानत आदि से ग्रसित पायी जाती है तो ऐसी स्थिति में क्रेता को अधिकार होगा कि वह अपना कुल विक्रय धनराशि मय हर्जा-खर्चा व नुकसान के सब विक्रेता व वारिसान विक्रेता से व विक्रेता की अन्य सम्पत्ति चल व अचल से

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

N 7[illegible]9023

7 JUN 20[illegible]

जरिये न्यायालय प्राप्त कर लेवें, इसमें विक्रेता व वारिसान विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

अब क्रेता उपरोक्त को पूरा अधिकार है कि वह विक्रीत आराजी के सम्बन्ध में समस्त सरकारी अभिलेखों में अपने नाम दाखिल-खारिज करा लेवें ।

आराजी उपरोक्त में खेती होती है, आराजी उपरोक्त में पेड़, ट्यूबवेल, कुआं व इमारत आदि नहीं है। आराजी उपरोक्त के 200 मीटर त्रिज्या में कोई निर्माण आदि नहीं है।

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये | Rs. 100

रु. 100 | ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

2 JUN 2010

आराजी उपरोक्त किसी लिंक मार्ग जनपदीय मार्ग व राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नहीं है।

आराजी स्थित ग्राम [illegible], परगना- बिजनौर के अर्धनगरीय क्षेत्र के सामान्य ग्राम के अन्तर्गत आता है जो नगर निगम सीमा के बाहर स्थित है जिसकी कृषि भूमि की बाजारू कीमत 18,00,000/- रुपया प्रति हेक्टेअर की दर से निर्धारित है जिसके अनुसार विक्रीत रकबा 0.6235 हेक्टेअर की मालियत रु0 11,22,300/- होती है जो कि विक्रय मूल्य से कम है, अतः

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AF 939259

नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही जनरल स्टाम्प शुल्क 36,400/- को अदा किये जा रहे हैं।

कारोबार आराजी मुख्य मार्ग शहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है।

विक्रेता व क्रेता दोनों ही अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। उक्त आराजी किसी योजना व किसी सरकारी व अर्ध सरकारी संस्था द्वारा अधिगृहीत नहीं है।

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये | Rs. 100

रु. 100 | ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AF 839260

यह कि ऊपर प्रयोग किये गये शब्दों ''विक्रेता'' एवं ''क्रेता'' में, जब तक वे प्रसंग के प्रतिकूल न हों, उनके विधिक प्रतिनिधिगण व उत्तराधिकारीगण भी सम्मिलित है।

विवरण भुगतान

1. विक्रेता को रु० 12,32,036/– (रुपया बारह लाख बत्तीस हजार छत्तीस मात्र) द्वारा चेक संख्या–343310 दिनांकित 17.06.2010 पंजाब नेशनल बैंक, हजरतगंज, लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AF 835261

इस प्रकार विक्रेता को कुल विक्रय मूल्य रू0 12,32,036/- (रुपया बारह लाख बत्तीस हजार छत्तीस मात्र) क्रेता से प्राप्त हुए।

लिहाजा यह दस्तावेज विक्रेता ने अपनी खुशी व रजामन्दी से खूब सोच समझकर बिना किसी दबाव के, क्रेता उपरोक्त के पक्ष में लिख दिया ताकि सनद रहे और वक्त जरूरत पर काम आवें।

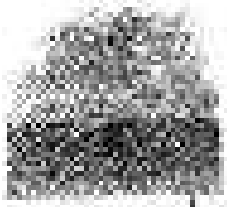

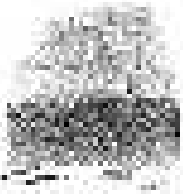

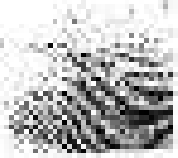

[illegible]

विवरण [illegible]

1,257,[illegible] 1,122,[illegible] [illegible] 10,[illegible] 2,[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

उप निबंधक अधिकारी के हस्ताक्षर

पी.के.सिंह
उप निबंधक (प्रथम)
लखनऊ
17/5/2010

[illegible]

[illegible]

उप निबंधक अधिकारी के हस्ताक्षर

पी.के.सिंह
उप निबंधक (प्रथम)
लखनऊ

अतः आज उभय पक्षों ने इस विक्रय विलेख पर अपने-अपने हस्ताक्षर करके इसे निष्पादित किया।

नोटः पृष्ठ संख्या-14 पर चैक संख्या काले पेन से लिखी है।

दिनांकः-17.06.2010

लखनऊ

गवाहानः-

1\.

विक्रेता

2\.

क्रेता

टाईपकर्ताः

(राम सनेही)

मसविदाकर्ताः

(मयंक श्रीवास्तव)

एडवोकेट

विक्रेता

Registration No. [illegible] Year 2013 Book No. 1

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

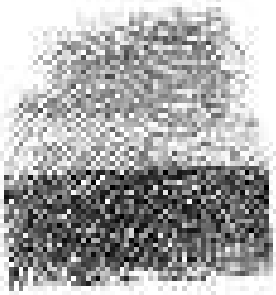

नक्सा नजरी

ग्राम- कपौंवा

खसरा संख्या- 556

विक्रेता -> [illegible]

क्रेता -> [illegible]

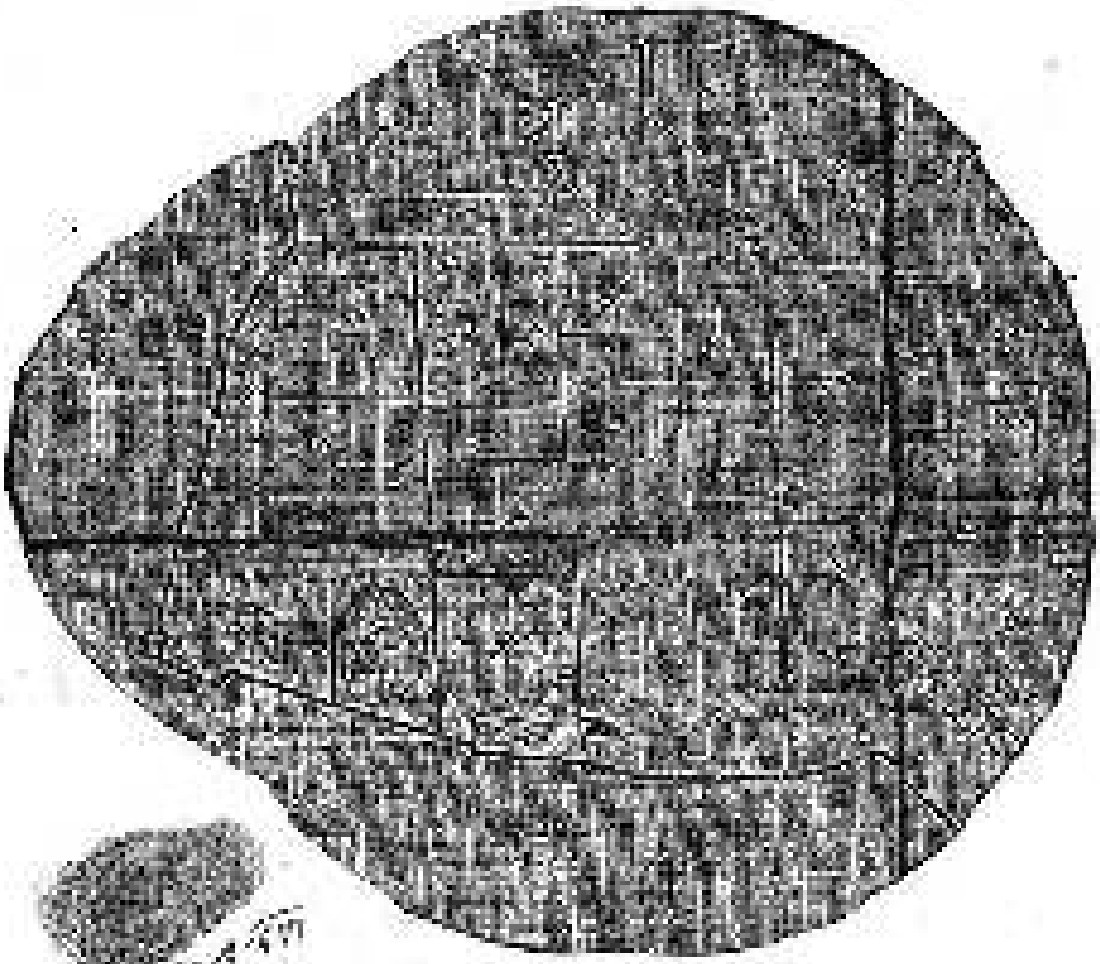

विक्रेता

क्रेता

क्रेता

Registration No. : 1174 Year : 2010 Book No. : 1

2201 राजेश कुमार

[illegible]

[illegible]

[illegible]

रजिस्ट्रेशन अधिनियम–1908 की धारा 32–ए. के अनुपालन हेतु

फिंगर्स प्रिन्टस्

विक्रेता का नाम व पता- दिलीप कुमार नाबालिग आयु लगभग 15 वर्ष पुत्र शिवचरन द्वारा संरक्षिका श्रीमती सुन्दरा (स्वयं) निवासिनी ग्राम- चौपरीखेड़ा मजरा बरीन, परगना- बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ

बायें हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :–

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :–

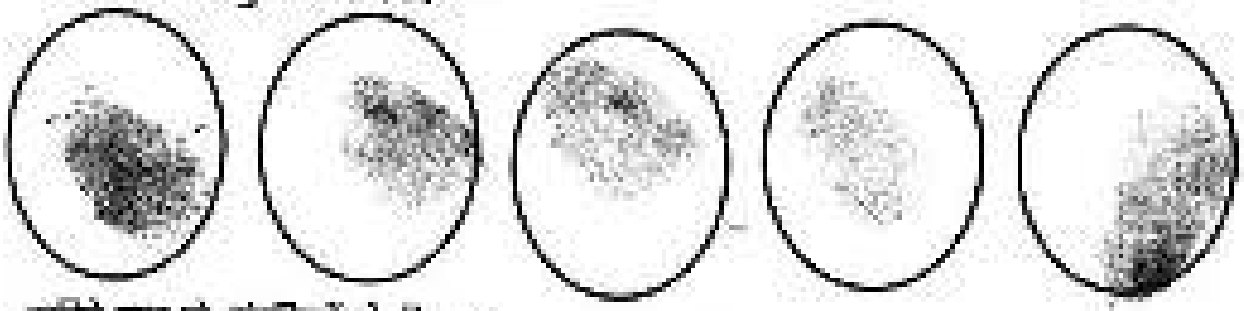

विक्रेता के हस्ताक्षर

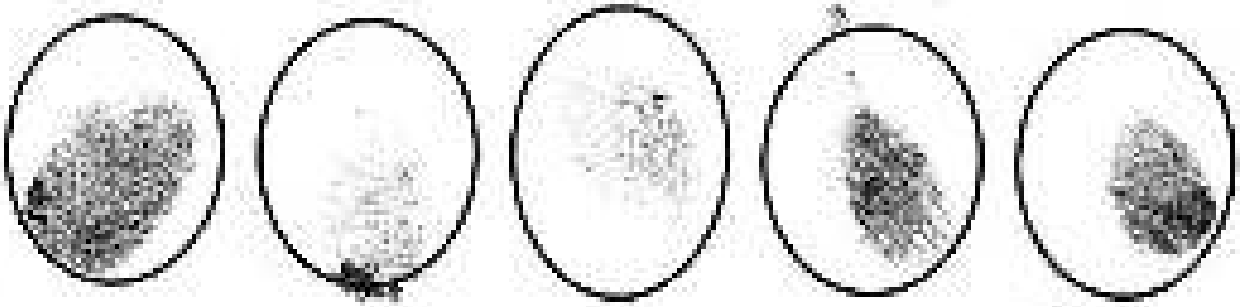

क्रेता का नाम व पता-मनोज कुमार पुत्र श्री देवता दीन निवासी-ग्राम व पोस्ट-[illegible] बुजुर्ग, जिला-रायबरेली, उ0प्र0

बायें हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :–

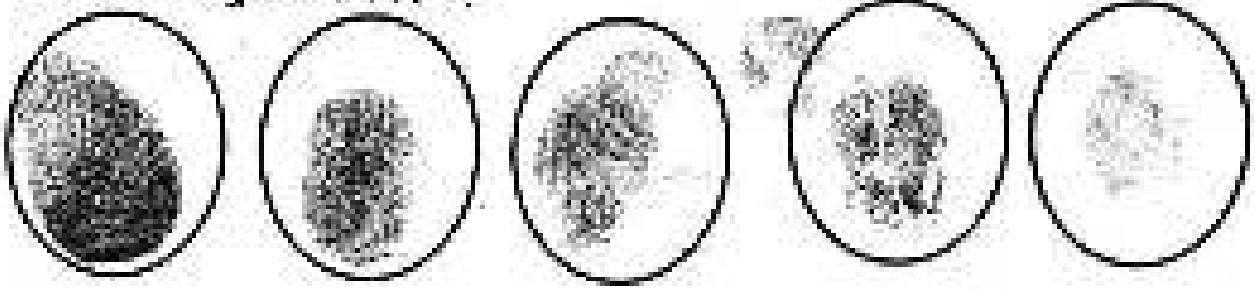

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :–

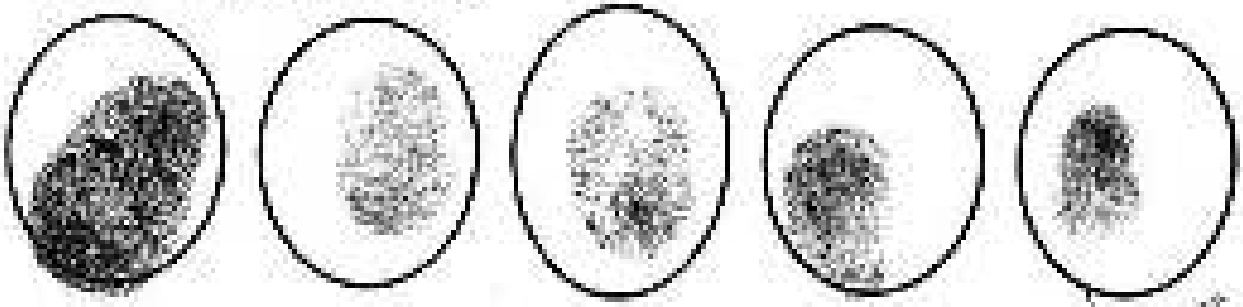

क्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक 17/06/2010 को

बही सं. 1 जिल्द सं. 10656

पृष्ठ सं. 377 से 410 पर क्रमांक 11535

रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

पी.के.सिंह

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

17/06/2010